सत्यमेव जयते

झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

30 कार्तिक, 1946 (श०)

संख्या - 738 राँची, गुरुवार, 21 नवम्बर, 2024 (ई०)

वित्त विभाग ।

अधिसूचना

4 अक्टूबर, 2024

संख्या- 01/स्था. (विविध)-108/2022 (वि.)-2303--भारत का संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक में प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखण्ड के राज्यपाल एतद् द्वारा वित्त विभाग के अधीन झारखण्ड वित्त अवर अंकेक्षण सेवा में भर्ती प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त्त हेतु निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :-

अध्याय-1

प्रारम्भिक

1- संक्षिप्त नाम विस्तार एवं प्रारम्भ

(1) यह नियमावली झारखण्ड वित्त अवर अंकेक्षण सेवा (भर्त्ती प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त्तें) नियमावली-2024 कहलाएगी ।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण झारखण्ड राज्य में होगा।

(3) यह नियमावली अधिसूचना निर्गत की तिथि से प्रवृत्त होगी।

2- परिभाषाएँ:- इस नियमावली में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो s

(i) राज्य से अभिप्रेत है झारखण्ड राज्य

(ii) सरकार से अभिप्रेत है झारखण्ड सरकार

(iii) विभाग से अभिप्रेत है वित्त विभाग

(iv) आयोग से अभिप्रेत है झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग;

(v) संवर्ग से अभिप्रेत है झारखण्ड वित्त अवर अंकेक्षण सेवा के तहत अंकेक्षण संवर्ग;

(vi) नियुक्ति प्राधिकार एवं 'नियंत्री पदाधिकारी' से अभिप्रेत है निदेशक अंकेक्षण निदेशालय

(vii) वरीयता सूची' से अभिप्रेत है अंकेक्षण संवर्ग के कर्मियों की वरीयता सूची जो नियमावली के प्रवृत होने की तिथि को संधारित हो या उसके बाद कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत अनुदेशों के अनुसार पुनरीक्षित हो।

3- सेवा का स्वरूप

(1) इस संवर्ग के अधीन मूलकोटि के पदों पर नियुक्ति झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से की जायेगी ।

(2) इस संवर्ग के कर्मियों का पदस्थापन वित्त विभाग के अधीन अंकेक्षण निदेशालय एवं अन्य प्रमण्डलीय कार्यालयों में किया जायेगा ।

(3) इस संवर्ग के पदाधिकारियों/कर्मियों द्वारा सामान्य अंकेक्षण तथा शहरी स्थानीय निकाय **(ULB)** एवं पंचायती राज संस्थाओं **(PRI)** का अंकेक्षण किया जायेगा ।

4- संवर्गीय संरचना एवं बल

(1) अंकेक्षण संवर्ग में निम्न कोटि के पद होंगे:-

क्र०सं०	पदनाम	वेतनमान	सेवा समूह	संख्या बल	अभ्युक्ति
i.	अंकेक्षक	लेवल-5	समूह 'ग'	145	मूल कोटि का पद (सीधी नियुक्ति)
ii.	वरीय अंकेक्षक	लेवल-6	समूह 'ख'	72	प्रथम प्रोन्नति का पद
iii.	अंकेक्षण पदाधिकारी	लेवल-7	समूह 'ख'	36	द्वितीय प्रोन्नति का पद

(2) इस संवर्ग के सभी पद अराजपत्रित श्रेणी के होंगे ।

अध्याय- 2

भर्ती/नियुक्ति/प्रतिनियुक्ति

5- **सीधी नियुक्ति की प्रक्रिया:-** इस संवर्ग के मूल कोटि के पद पर परीक्ष्यमान कर्मी की सीधी भर्त्ती द्वारा नियुक्ति प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा अनुशंसा प्राप्त होने के पश्चात् नियुक्ति प्राधिकार द्वारा की जायेगी। झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा अधिसूचित झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग परीक्षा (स्नातक स्तर तकनीकी/विशिष्ट योग्यता वाले पद) संचालन नियमावली 2017 (समय-समय पर यथासंशोधित) के आलोक में की जायेगी ।

6- **सीधी नियुक्ति के लिए योग्यता/अर्हताएँ:-**

(i) **शैक्षणिक योग्यता:-** केन्द्र सरकार/राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थ शास्त्र अथवा गणित अथवा वाणिज्य अथवा सांख्यिकी में स्नातक डिग्री ।

(ii) **उम्र:-** न्यूनतम उम्र 21 वर्ष होगी तथा अधिकतम उम्र के संबंध में राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित व्यवस्था लागू होगी। उम्र सीमा की गणना हेतु कट-ऑफ तिथि अधियाचना वर्ष की 1ली अगस्त मानी जाएगी ।

(iii) **न्यूनतम अर्हतांक:-** सीधी भर्त्ती हेतु आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के प्रत्येक विषय के लिए न्यूनतम अर्हत्तांक वही होंगे जो इस संबंध में कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित है अथवा समय-समय पर निर्धारित किया जायेगा ।

7- **रिक्तियों का नियतीकरण:-**अंकेक्षण निदेशालय द्वारा पदों की रिक्तियों को भरने के संबंध में विभाग/विभागाध्यक्ष संवर्ग समीक्षा कर प्रत्येक वर्ष की 1 जनवरी की स्थिति के आधार पर रिक्तियों की गणना करते हुए सरकार की आरक्षण नीति के तहत अधियाचना आयोग को भेजेंगे। अधियाचना भेजने के संबंध में कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग झारखण्ड द्वारा समय-समय पर निर्गत संकल्प/परिपत्र/आदेश का अनुपालन किया जायेगा ।

8- मूल कोटि के पद पर नियुक्ति झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग से नियुक्ति हेतु प्राप्त अनुशंसा के आलोक में नियुक्ति प्राधिकार द्वारा इस सेवा की मूल कोटि के पद पर परीक्ष्यमान रूप से नियुक्ति की जाएगी। उक्त परीक्षा के विषय एवं पाठ्यक्रम **अनुसूची-1** के रूप में संलग्न है। सरकार द्वारा आयोग की सहमति से समय-समय पर यथा वांछित संशोधन किया जा सकेगा ।

9- **रिक्तियों में आरक्षण:-**सीधी भर्त्ती/प्रोन्नति में सरकार के आरक्षण नीति का पालन किया जायेगा।

10- **कर्मियों की प्रतिनियुक्ति -**

(1) इस संवर्ग के कर्मियों की प्रतिनियुक्ति माँग एवं उपलब्धता के आधार पर राज्य या केन्द्र सरकार के किसी विभाग में विभागीय सहमति के उपरान्त की जा सकेगी ।

(2) इस संवर्ग के कर्मियों को राज्य सरकार के सेवार्थ निम्नलिखित शर्त्तों के अधीन प्रतिनियुक्त किया जा सकेगा:-

i. राज्य सरकार के पूर्णतः या अंशतः स्वामित्व या नियंत्रण वाली कम्पनी या निकाय में चाहे वे निगमित हों अथवा नहीं यथा- स्थानीय निकाय बोर्ड सहकारी समिति शैक्षणिक संस्थान आदि में विभागीय सहमति के उपरान्त प्रतिनियुक्ति की जा सकेगी।

ii. केन्द्र सरकार या किसी अन्य राज्य सरकार के पूर्णतः या अंशतः नियंत्रण वाले किसी कार्यालय मेंउनकी मांग के अनुरूप एवं किसी संवर्गीय कर्मी को उनकी सहमति से केन्द्र सरकार के किसी विभाग कार्यालय में तथा उपर्युक्त मद संख्या(i) में उल्लिखित किसी संगठन या निकाय में विभागीय सहमति के उपरान्त प्रतिनियुक्त किया जा सकेगा ।

परन्तु यह और भी कि उपर्युक्त उप नियम i एवं ii के अधीन किसी संवर्गीय कर्मी को किसी ऐसे पद पर प्रतिनियुक्त नहीं किया जाएगा जिसके वेतनमान का अधिकतम उस कर्मी द्वारा प्राप्त किये जा रहे वेतनमान से कम हो जो वह अपने संवर्ग के धारित पद पर प्राप्त करता हो ।

अध्याय- 3

सामंजन

11- पूर्व से कार्यरत झारखण्ड अंकेक्षक संवर्ग के अराजपत्रित पद पर पदस्थापित कर्मियों को एकबारीय सुविधा के तहत् उनके वर्त्तमान वेतनमान के आधार परयथा स्थिति इस सेवा के मूलकोटि अथवा उच्चतर पद के विरूद्ध सामंजित किया जायेगा। इस तरह के सामंजन को सीधी नियुक्ति नहीं समझी जायेगी। इस प्रकार सामंजित अंकेक्षण पदाधिकारियों की पारस्परिक वरीयता वही होगी जो वरीयता उनकी पूर्व से है।

उदाहरण:- (1) पूर्व से झारखण्ड अंकेक्षक संवर्ग के अन्तर्गत अंकेक्षण पदाधिकारी (वेतनमान PB-II, 9300-34800, GP-4600, Level-7) के पद पर पदस्थापित पदाधिकारियों को इस सेवा के पद 'अंकेक्षण पदाधिकारी' के विरूद्ध अपने ही वेतनमान में सामंजित किया जायेगा। इस प्रकार सामंजित अंकेक्षण पदाधिकारियों की पारस्परिक वरीयता वही होगी जो वरीयता उनकी पूर्व से है ।

12- इस नियमावली के नियम 11 द्वारा सामंजित पदाधिकारियों को इस सेवा में विहित विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण होने की आवश्यकता नहीं होगी ।

अध्याय- 4

प्रशिक्षण एवं सम्पुष्टि

13- **(क) प्रारंभिक प्रशिक्षण:-**झाखण्ड कर्मचारी चयन आयोग से अनुशंसा प्राप्त होने के पश्चात् अंकेक्षक पद पर परीक्ष्यमान रूप से कर्मियों की नियुक्ति की जाएगी। परीक्ष्यमान अवधि दो वर्षों की होगी। परीक्ष्यमान अवधि में प्रशिक्षण निम्नवत् दिया जायेगा:-

क्र.सं.	प्रशिक्षण	प्रशिक्षण अवधि	प्रशिक्षण स्थान
1-	संस्थागत प्रशिक्षण	03 माह	अंकेक्षण-सह-लेखा प्रशिक्षण संस्थान/ विभाग द्वारा चयनित संस्थान
2-	व्यावहारिक प्रशिक्षण	06 माह	प्रमण्डलीय अंकेक्षण कार्यालय
3-	अंतिम प्रशिक्षण	01 माह	अंकेक्षण-सह-लेखा प्रशिक्षण संस्थान/ विभाग द्वारा चयनित संस्थान

संस्थागत प्रशिक्षण/व्यावहारिक प्रशिक्षण अंतर्गत ही कम्प्यूटर ज्ञान एवं वित्त विभाग द्वारा उपयोग किये जाने वाले सभी Software Application/Modules का भी प्रशिक्षण दिया जायेगा। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात् परीक्ष्यमान कर्मियों को झारखण्ड वित्त अवर अंकेक्षण सेवा के तहत अंकेक्षण संवर्ग के मूल कोटि के पद पर पदस्थापित किया जायेगा। विशेष परिस्थिति में विभागीय सहमति के उपरान्त प्रशिक्षण अवधि में परिवर्त्तन किया जा सकेगा तथा प्रशिक्षण प्राप्त करने के पूर्व ही परीक्ष्यमान कर्मियों को झारखण्ड वित्त अवर अंकेक्षण सेवा के तहत अंकेक्षण संवर्ग के मूल कोटि के पद पर पदस्थापित किया जा सकेगा। प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम एवं विस्तृत कार्यक्रम अंकेक्षण-सह-लेखा प्रशिक्षण संस्थान/विभाग द्वारा चयनित संस्थान द्वारा विभाग के सहयोग से निर्धारित किया जायेगा।

(ख) सेवा कालीन प्रशिक्षण:-इस संवर्ग के कर्मियों को आवश्यकतानुसार प्रत्येक प्रोन्नति के पश्चात् सेवाकालीन प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इसके साथ ही विभागीय आवश्यकतानुसार सेवाकाल के दौरान भी प्रशिक्षण दिया जा सकेगा । प्रशिक्षण का विस्तृत पाठ्यक्रम अवधि एवं विस्तृत कार्यक्रम अंकेक्षण - सह - लेखा प्रशिक्षण संस्थान/विभाग द्वारा चयनित संस्थान के सहयोग से विभाग द्वारा निर्धारित किया जायेगा।

14- सेवा सम्पुष्टि:-सेवा सम्पुष्टि के लिये दो वर्षों की परीक्ष्यमान अवधि संतोषजनक रूप से पूर्ण करना,कार्मिक,प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा संचालित हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूपण परीक्षा उत्तीर्ण होना तथा परीक्ष्यमान अवधि में निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होगा। उक्त के अतिरिक्त इस संवर्ग के कर्मियों को राजस्व पर्षद द्वारा आयोजित कम्प्यूटर ज्ञान एवं टंकण परीक्षा भी उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा। राजस्व पर्षद द्वारा आयोजित विभागीय परीक्षा (अनुसूची-**II**) में उत्तीर्ण होने के उपरान्त ही सेवा संपुष्टि की जायेगी। परीक्ष्यमान अवधि में किसी तरह का दण्ड अधिरोपित होने की स्थिति में परीक्ष्यमान अवधि बढ़ायी जा सकेगीजो अधिकतम दो वर्ष तक होगी। सभी विभागीय परीक्षा उत्तीर्णता के पश्चात् अधिकतम दो वेतन वृद्धि तक दी जायेगी तथा अगली वेतन वृद्धियाँ नियमित रूप से सेवा सम्पुष्टि के उपरान्त यथा नियम अनुमान्य होगी। परन्तु, परीक्ष्यमान अंकेक्षक (मूल कोटि) द्वारा सेवा-संपुष्टि के सभी वांछित अर्हत्ताओं को पूर्ण करने के बावजूद,सेवा संपुष्टि में विलंब होने की स्थिति में उसकी वेतन वृद्धियाँ अवरूद्ध नहीं होंगी।

अंकेक्षण संवर्ग के विभागीय परीक्षा के लिए विषय एवं पाठ्यक्रम अनुसूची - **II** के अनुरूप होगा।

अध्याय-5
वरीयता एवं प्रोन्नति

15- **वरीयता:-**इस संवर्ग में सीधी भर्ती से नियुक्त कर्मियों की पारस्परिक वरीयता का निर्धारण आयोग से प्राप्त अनुशंसा के मेधाक्रम से होगा। सामंजित अंकेक्षण पदाधिकारियों की पारस्परिक वरीयता वही होगी जो वरीयता उनकी पूर्ववर्ती सेवा/संवर्ग में है ।

16- **(1) प्रोन्नति:-**अंकेक्षण संवर्ग के कर्मियों को प्रोन्नति प्रदान करने हेतु अंकेक्षण निदेशालय द्वारा प्रोन्नति समिति का गठन किया जायेगा। प्रोन्नति समिति की अनुशंसा के पश्चात् संवर्गीय पद पर प्रोन्नति दी जायेगी। प्रोन्नति का आधार कालावधि वरीयता-सह-योग्यता होगी तथा समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा लागू प्रोन्नति में आरक्षण यथारूप प्रभावी होगा ।

(2) प्रोन्नति की कालावधि -प्रोन्नति हेतु कालावधि का निर्धारण कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित संकल्प/अनुदेश/परिपत्र के अनुरूप होगा ।

(3) विभागीय प्रोन्नति समिति का स्वरूप -प्रोन्नति समिति का स्वरूप निम्नवत् होगाः-

(i)	अंकेक्षण निदेशालय के वरीयतम संयुक्त निदेशक	-अध्यक्ष
(ii)	कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग से मनोनीत अ॰ज॰जा॰/अ॰ज॰ के पदाधिकारी,जो उप सचिव से अन्यून हो	-सदस्य,
(iii)	उप निदेशक (स्थापना के प्रभारी)	-सदस्य सचिव
(iv)	कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के प्रतिनिधिजो उप सचिव से अन्यून हो	-सदस्य
(v)	मुख्यालय के प्रतिनिधि, जो उप सचिव से अन्यून हो	-सदस्य

अध्याय- 6
विविध

17- **स्थानान्तरण/पदस्थापन:-**इस संवर्ग के कर्मियों का स्थानान्तरण/पदस्थापन नियंत्री प्राधिकार के द्वारा सरकार के अनुदेश के आलोक में किया जाएगा। संवर्ग के कर्मियों के एक स्थानान्तरण/पदस्थापन का कार्यकाल सामान्यतः तीन वर्षों का होगा। विशेष परिस्थिति में नियंत्री प्राधिकार द्वारा यह अवधि घटायी अथवा बढ़ायी जा सकेगी ।

18- **अनुशासनिक कार्रवाई:-**अनुशासनात्मक कार्रवाई राज्य में प्रवृत्त सुसंगत नियमावली के प्रावधानों के तहत नियंत्री पदाधिकारी द्वारा की जा सकेगी ।

19- **विनियम:-**वित्त विभाग इन नियमों को प्रभावी बनाने के लिए एवं ऐसी सभी बातों का उपबंध करने के लिए जो आवश्यक या समीचीन हो,विनियम बना सकेगा ।

20- अवशिष्ट मामले:-ऐसे मामलों के बारे में जो विनिर्दिष्टतः इन नियमों या विनियमों अथवा एतद्धीन बनाये गये या निर्गत किये गये आदेशों या विशेष आदेशों में नहीं आते हैं ऐसी परिस्थिति में सेवा के सदस्य राज्य सरकार के सरकारी सेवकों पर लागू सामान्य नियमों विनियमों एवं आदेशों द्वारा शासित होंगे ।

21- प्रकीर्ण

(1) अन्य ऐसे मामले जिनके संबंध में ऊपर के खण्डों में कोई उपबंध नहीं किया गया हैउनमें झारखण्ड सेवा संहिता अथवा राज्य सरकार के कर्मचारियों/पदाधिकारियों पर लागू अन्य वैधानिक प्रावधान लागू होंगे ।

(2) सरकार अधिसूचना द्वारा इस नियमावली को विखंडित कर सकेगी या इसमें संशोधन कर सकेगी या इस नियमावली के नियमों को स्पष्ट कर सकेगी या उसे लागू करने में उत्पन्न त्रुटियों को दूर कर सकेगी।

22- शिथिल करने की शक्ति:-जहाँ राज्य सरकार के वित्त विभाग की राय में ऐसा करना आवश्यक या समीचीन हो तो उन कारणों को अभिलिखित करते हुए इन नियमों के किसी उपबंध को शिथिल करने के संबंध में राज्य सरकार अंतिम निर्णय लेगी ।

23- निर्वचन:-जहाँ इन नियमों या एतद्धीन बनाये गये विनियमों के किसी उपबंध के निर्वचन में कोई संदेह उत्पन्न हो वहाँ वित्त विभाग का विनिश्चय अंतिम होगा ।

24- राज्य सरकार की अधिसूचना द्वारा निर्गत कोई स्पष्टीकरण या कार्यपालक आदेश इस नियमावली का अंग माना जायेगा ।

25- निरसन और व्यावृत्ति

(1) इस नियमावली के प्रवृत्त होने के पूर्व के इस नियमावली के विषयों पर निर्गत कोई नियम/विनियम/अनुदेश/आदेश इस नियमावली के प्रवृत्त होने की तिथि से निरसित माने जायेंगे ।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी उल्लिखित आदेश द्वारा या उसके अधीन शक्तियों के प्रयोग में किया गया कोई कार्य या की गई कार्रवाई इस नियमावली द्वारा इसके अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में किया गया या की गई समझी जायेगी मानो यह नियमावली उस दिन प्रवृत्त थी जिस दिन ऐसा कार्य किया गया था या ऐसी कार्रवाई की गई थी ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

प्रशान्त कुमार,
सरकार के सचिव ।

अनुसूची- I

आयोग द्वारा आयोजित अंकेक्षक की भर्त्ती परीक्षा के संबंध में विशेष जानकारी

अंकेक्षक पद पर सीधी भर्त्ती हेतु आयोग द्वारा परीक्षा एक चरण (मुख्य परीक्षा) में ली जायेगी। परीक्षा में सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय उत्तर युक्त होंगे। भाषा विषयों को छोड़कर अन्य विषयों के प्रश्न हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होंगे। एक प्रश्न का पूर्ण अंक तीन (3) होगा। प्रत्येक सही उत्तर के लिए तीन (3) अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक (1) अंक की कटौती की जायेगी।

परीक्षा के तीन पत्र होंगे। यह परीक्षा तीन पालियों में ली जायेगी। इसमें निम्नलिखित विषय होंगे:-

1- पत्र -1 (भाषा ज्ञान) कुल -120 प्रश्न, समय 2 घंटा

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान - 60

(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान - 60

टिप्पणी: पत्र -1 (भाषा ज्ञान) में प्राप्त अंक मात्र अर्हक (**Qualifying**) होगा, जिसमें उत्तीर्ण होने के लिए हिन्दी एवं अंग्रजी भाषा ज्ञान में प्राप्त अंकों को जोड़ कर 30% अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इस पत्र में प्राप्त अंक सेवा मेघा सूची निर्धारण में नहीं जोड़े जायेंगे ।

2- पत्र-2 (चिन्हित क्षेत्रीय/जनजातीय भाषा/ भाषा/ज्ञान-100 प्रश्न, समय-2 घंटा)

चिन्हित 15 (पन्द्रह) क्षेत्रीय/जनजातीयभाषा/भाषा/ज्ञान- हिन्दी/अंग्रेजी/उर्दू/संथाली/बंगला/मुण्डारी (मुण्डा)/हो/खडिया/कुडूख(उरांव)/कुरमाली/खोरठा/नागपुरी/पंचपरगनिया/उड़िया/संस्कृत में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के 100 बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे। इस पत्र की परीक्षा की अवधि 2 घण्टे की होगी ।

कार्मिक,प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा चिन्हित क्षेत्रीय/जनजातीय भाषा में संशोधन किये जाने की स्थिति में पत्र-2 तद्नुसार संशोधित समझा जाएगा ।

चिन्हित क्षेत्रीय/जनजातीय भाषा में 30%अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इस पत्र में प्राप्त अंक मेधा सूची निर्धारण में जोड़े जायेंगे ।

3- पत्र-3 तकनीकी/विशिष्ट योग्यता तथा सामान्य अध्ययन विषय - 150 प्रश्न,समय - 2 घंटा 30 मिनट

इस पत्र के अधीन बहु विकल्पीय उत्तर आधारित 150 प्रश्न निम्न प्रकार पूछे जायेंगे:-

(I) **तकनीकी /विशिष्ट विषय-**100 **प्रश्न:-**

अभ्यर्थी को अर्थशास्त्र,वाणिज्य,गणित एवं सांख्यिकी में से किसी एक वैकल्पिक विषय का चयन करना होगा तथा चयनित वैकल्पिक विषय की परीक्षा देनी होगी ।

(II) सामान्य अध्ययन - **20** प्रश्न

(III) सामान्य गणित - **20** प्रश्न

(IV) सामान्य विज्ञान - **10** प्रश्न

इस पत्र की परीक्षा की अवधि 2 घण्टे 30 मिनट की होगी ।

परीक्षा का पाठयक्रम:-

(1) पत्र-**1** (भाषा ज्ञान)

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान:-

(i) हिन्दी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न - 30 प्रश्न

(ii) हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न - 30 प्रश्न

(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान:-

(i) अंग्रेजी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न - 30 प्रश्न

(ii) अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न - 30 प्रश्न

(2) पत्र-2 (क्षेत्रीय/जनजातीय भाषा/भाषा/ज्ञान)

संबंधित भाषा का पाठ्यक्रम वही होगाजो कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जायेगा ।

(3) पत्र: 3

(I) तकनीकी/विशिष्ट विषय (100 प्रश्न)

(A) अर्थशास्त्र

1. Advance Micro Economics:-

a) Marshallian and Varrasiam Approaches to Price determination.

b) Alternative Distribution Theories: Ricardo, Kaldor, Kaleeki.

c) Markets Structure: Monopolistic Competition, Duopoly, Oligopoly.

d)Modern Welfare Criteria: Pareto Hicks and Scitovsky, Arrow's Impossibility Theorem,

A. K. Sen's Social Welfare Function.

2. Advance Macro Economics:

Approaches to Employment Income and Interest Rate determination: Classical, Keynes (IS)- LM) curve, Neo-classical synthesis and New classical, Theories of Interest Rate determination and Interest Rate Structure.

3. Money-Banking and Finance:

a) Demand for and Supply of Money: Money Multiplier Quantity Theory of Money (Fisher. Pique and Friedman) and Keyne's Theory on Demand for Money, Goals and Instruments of Monetary Management in Closed and Open Economies. Relation between the Central Bank and the Treasury. Proposal for ceiling on growth rate of money.

b) Public Finance and its Role in market Economy: In stabilization of supply. allocation of resources and distribution and development. Sources of Government revenue, forms of Taxes and Subsidies, their incidence and effects. Limits to taxation, loans, crowdingout effects and limits to borrowings. Public expenditure and its effects.

4. International Economics:

a) Old and New theories of International Trade.

i. Comparative advantage.

ii. Terms of Trade and Offer Curve.

iii. Product Cycle and Strategic Trade Theories.

iv. Trade as an engine of growth and theories of underdevelopment in an open economy.

b) Forms of Protection: Tariff and quota.

c) Balance of Payments Adjustment: Alternative Approaches.

i. Price versus income, income adjustments under fixed exchange rates.

ii. Theories of Policy Mix.

iii. Exchange rate adjustments under capital mobility.

iv. Floating Rates and their Implications for Developing Countries: Currency

v. Trade Policy and Developing Countries.

vi. BOP, adjustments and Policy Coordination in open economy macro model.

vii. Speculative attacks.

viii. Trade Blocks and Unions.

ix. WTO: TRIMS, TRIPS, Domestic Measures, Different Rounds of WTO talks,

5. Growth and Development:

Theories of growth: Harrod's model:

i. Lewis model of development with surplus labour.

ii. Balanced Unbalanced Growth,

iii. Human Capitals and Economic Growth.

iv. Research and Development and Economic Growth.

b) Process of Economic Development of less developed countries: Myrdal and Kuzments on economic development and structural change: Role of Agriculture in Economic Development of less developed countries.

c) Economic Development and International Trade and Investment. Role of Multinationals.

d) Planning and Economic Development: changing role of Markets and Planning. Private-Public Partnership.

e) Welfare indicators and measures of growth-Human Development Indices. The basic needs approach.

f) Development and Environmental Sustainability- Renewable and Non-renewable Resources, Environmental Degradation, Intergenerational equity development.

Indian Economics in Post-Independence Era: Land System and its changes, Commercialization of agriculture Drain theory, Laissez faire theory and critique. Manufacture and Transport: Jute, Cotton, Railways, Money and Credit. Indian Economy after Independence:

A. The Pre-Liberalization Era:

i. Contribution of Vakil, Gadgil and V.K.R.V.Rao.

ii. Agriculture: Land Reforms and land tenure system, Green Revolution and capital formation in agriculture.

iii. Industry Trends in composition and growth, Role of public and private sector. small scale and cottage industries.

iv. National and Per capita income: Patterns, trends, aggregate and sectoral composition and changes therein.

v. Broad factors determining National Income and distribution, Measures of poverty, Trends in poverty and inequality.

B. The Post-Liberalization Era:

i. New Economic Reform and Agriculture: Agriculture and WTO, Food processing, subsidies. Agricultural prices and public distribution system, Impact of public expenditure on agricultural growth.

ii. New Economic Policy and Industry: Strategy of industrialization, Privatization, Disinvestments, Role of foreign direct investment and multinationals

iii. New Economic Policy and Trade: Intellectual property rights: Implications of TRIPS. TRIMS, GATS and new EXIM policy

iv. New Exchange Rate Regime: Partial and full convertibility. Capital account convertibility

v. New Economic Policy and Public Finance: Fiscal Responsibility Act.Twelfth FinanceCommission and Fiscal Federalism and Fiscal Consolidation.

vi. New Economic Policy and Monetary System. Role of RBI under the newregime.

vii. Planning: From central Planning to indivative planning, Relation between planning and markets for growth and decentralized planning: 73rd and 74th Constitutional amendments.

viii. New Economic Policy and Employment: Employment and poverty, Rural wages, Employment Generation, Poverty alleviation schemes, New Rural. Employment Guarantee Scheme.

(B) वाणिज्य

1. Accounting, Auditing and Taxation.

a) **Accounting as a financial information system-** Impact of behavioral sciences-Methods of accounting of changing price levels with particulars reference to current Purchasing Power (CPP) accounting Advanced problems of company accounts- Amalgamation absorption and reconstruction of companies- Accounting of holding companies- Valuation of shares and goodwill. Controllership functions- property control legal and management.

b) **Important provisions of the Income Tax Act. 1961-** Definition charge of Income tax - Exemptions Depreciation and Investment allowance- Simple problems of computation of income under the various heads and determination of assessable income - Income tax authorities.

c) **Nature and functions of Cost Accounting Cost classification** - Techniques of segregating semi-variable costs into fixed and variable components Job costing FIFO and weighted average methods or calculating equivalent units of production - Reconciliation of cost and financial accounts - Marginal Costing - Cost-volume- profit relationship, Algebraic formulae and graphical representationShut-down point- Techniques of cost control and cost reduction-Budgetary control. flexible Budget - Standard costing and variance analysis responsibility accounting- Bases of charging overheads and their inherent fallacy costing for pricing decisions.

d) **Significance of the attest function-** Programming the audit-works- Valuation and verification of assets, fixed, wasting and current assets Verification of liabilities Audit of limited companies appointment status, power, duties and liabilities of the auditor Auditor's report-Audit of share capital and transfer of shares - Special point in the audit of banking and insurance companies.

2. BUSINESS FINANCE AND FINANCIAL INSTITUTIONS.

a) **Concept and scope of Financial Management:** Financial goals of corporations Capital budgeting; Rules of the thumb and Discounted cash flow approaches - Incorporating uncertainty in investment decisions Designing an optimal capital structure Weighted average cost of capital and the controversy surrounding the Modigliani and miller model, sources of raising short-term, intermediate and long-term finance Role of public and convertible debentures Norms and guidelines regarding debt-equity rations, Determinants of an optimal dividend policy-optimizing models of James E.walter and John Lintner-Forms of dividend payment - Structure of working capital and the variable affecting the level of difference of components Cash flow approach of forecasting working capital needs - Profiles of working capital in Indian industries Credit management and credit policy Consideration to tax in relation to financial planning and cash flow statements.

b) **Organisation and deficiencies of Indian money Market structure of assets and liabilities of commercial banks-** Achievements and failures of nationalisation - Regional rural banks - Recommendations of the Tandon (P.L.) study group on following of bank credit, 1976 and their revision by the chore (K.B.). committee, 1979 An assessment of the monetary and credit policies of the Reserve bank of India - Constituents of the Indian Capital Market - Functions and working of All India term Financial institutions (IDBI, IFCI, ICICI, and IRCI) Investment policies of the Life Insurance corporation of India and the Unit Trust of India - Present state of stock exchanges and their regulation.

c) **Provision of the Negotiable Instruments Act, 1881.**

d) Crossings and endorsements with particular reference to statutory protection to the paying and collecting bankers Salient Provision of the Banking Regulation Act, 1949 with regard to chartering, supervision and regulation of banks.

3. Organization Theory and Industrial Relations.

a) **ORGANISATION THEORY:**

i) **Nature and concept of organization**: Organization goals Primary and secondary goals Single and Multiple goals, ends succession, expansion and multiplication of goals Structure-Line and Staff, functional matrix, and project functions and limitations. means chain-Displacement, Formal organization: Type, Informal organization

ii) **Evolution of organisation theory:** (classical, Neo-classical and system approach Bureaucracy Nature and basis of power, sources of power, power structure and politicsOrganisationbehaviour as a dynamic system: technical social and power systems interrelations and interactions Perception-Status system: Theoretical and empirical foundations of Maslow, Megergore, Horzberg, Likert, Vroom, porter and Lawler, Odam and Human Models of motivation. Morale and productivity- Leadership: Theories and styles Management of Conflicts in organization Transactional Analysis Significance of culture to organisatons. Limits of rationality simon- March approach. Organisation change, adaptation, growth and development-Organisation control and effectiveness.

b)**INDUSTRIAL RELATIONS:**

i) **Nature and scope of industrial relations**: Industrial labour in India and its commitment Theories of unionism- Trade union movement in India - Growth and structure-Role of outside leadership-Workers education and other problems-Collective bargaining-approaches conditions, limitation and its effectiveness in Indian conditions-Workers participation in management: philosophy, rational, present day state of affairs and its future prospects.

ii) **Prevention and settlement of industrial disputes in India:** preventive measures, settlement machinery and other measures in practice industrial relations in public enterprises- Absenteeism and labour turn-over International LabourOrganisation and IndiaRole of personnel department in the organization- Executive development, personnel policies, personnel audit and personnel research.

(C) <u>गणित:-</u>

1. **Linear Algebra:** Vector space, Linear dependence and independence, Subspace, bases, dimension, Finite dimensional vector spaces.

Matrices: Cayley- Hamilton theorem, Eigen values and Eigen vectors, Matrix of transformation, row and column reduction, Echelon form, Rank, Equivalence, Congruence and Similarity. Reduction to Canonical forms. Orthogonal and Unitary reduction of quadratic and hermitian forms, positive definite quadratic forms.

2. **Calculus:** Real numbers, Bounded sets, Open and Closed sets, Real sequences, Limits, Continuity, Differentiability, Mean value theorems, Taylor's theorem with remainders, Indeterminate form, Maxima and Minima, Asymptotes, Functions of several variables, Lagrange method of multipliers, jacobian, Riemann's definition of definite integrals. Indefinite integrals, infinite & improper integrals, beta & beta gamma functions, double and triple integrals (evaluation techniques only). areas, surface and volumes, centre of gravity.

3. **Analytic geometry:** Cartesian and polar co-ordinates in two and three dimensions, second degree equations in two and three dimensions, reduction to

canonical forms, straight lines, shortest distance between two skew lines plane, sphere, cone, cylinder, paraboloid, ellipsoid, hyperboloid of one and two sheets and their properties.

4. **Ordinary differential equations:** Formulation of differential equation, order and degree, equations of first order and first degree, integrating factors, equations of first order but not of first degree, calariaut's equation, singular solution.

Higher order linear equations with constant coefficients, complementary functions and particular integrals, general solution, Euler-Cauchy equation. Second order linear equations with variable coefficients, determination of complete solution when one solution is known, method of variation of parameters.

5. **Dynamics, Statics and Hydrostatics:** Degree of freedom and constraints, rectilinear motion, simple harmonic motion, motion in a plane projectile, constrained motion, work and energy, conservation of energy, motion under impulsive forces, kepler's law, orbit under central forces, motion of varying mass, motion under resistance.

Equilibrium of a system of particles, work and potential energy, friction, c catenary, principle of virtual work, stability of equilibrium, equilibrium of fores in three dimensions.

Pressure of heavy fluids, equilibrium of fluids under a given system of forces, Bernoulli's equation, center of pressure, thrust on curved surfaces, equilibrium of floating bodies, stability of equilibrium, metacenter, pressure of gases.

6.Vector analysis: Scalar and vector fields, triple products, differentiation of vector function of scalar variable, gradient, divergence and curl in Cartesian, cylindrical and spherical coordinates and their physical interpretation. Higher order derivatives, vector identities and vector equations.

Application to geometry: Curves in spaces, curvature and torsion, Serret-Frenet formulae Gauss and Stoke's theorem, Green's identities.

7. Algebra: Groups, Sub groups, normal subgroups, homomorphism of groups, quotient groups basic isomorphism theorem, Sylow's theorem, permutation groups, Cayley theorem. Rings and ideals, principal ideal Domains, Unique Factorisation Domains and Euclidean Domains, and Euclidean Domains, field extensions, finite fields.

8. Complex Analysis: Analytic function, Cauchy-Riemann equations, Cauchy's theorem Cauchy's integral formula, power series, taylor's series, Laurent's series, Singularities, Cauchy Rasidue theorem, Contour integration, Conformal mapping. Bilinear transformation.

9. Operations Research: Linear programming problems, basic solution, basic feasible solution and optimal solution. Graphical method and simplex method of solution, Duality, Transportation and assignment problems.

Analysis of steady state and transient solution for queueing system with poisson arrivals and exponential service time.

Deterministic replacement models, sequencing problem with two machines and njobs, 3 machines and n jobs (special case).

10. Mathematical Modeling

(a) Difference and differential equation growth models: Single species population models, Population growth an age structure model. The spread of technological innovation.

(b) Higher order linear models - A Model for the detection of diabetes.

(c) Nonlinear population growth models: prey- predator models, Epidemic growth models.

(d) An Application in environment: Urban wastes water management planning models.

(e) Models from political science: Proportional representation (cumulative and comparison voting) models.

11. Partial differential equations: Curves and surfaces in three dimensions, formulation of partial differential equations, solutions of equations, solutions of equation of type dx/P=dy/Q=dz/R; orthogonal trajectories, pfaffian differential equations, partial differential equations of the first order, solution by Cauchy's method of characteristics, charpit's method of solution, linear partial differential equations of the second order with constant coefficients, equations of vibrating string, heat equation, Laplace equations.

12. Probability: Notion of probability: Random experiment, Sample space, axioms of probability, Elementary properties of probability, equally likely outcome problems.

Random variables: Concept, cumulative distribution function, discrete and continuous random variables, expectations, mean, variance, moment generatingfunction.

Discrete distribution: Binomial, geometric, poisson.

Continuous distribution: Uniform, Exonential, Normal, Conditional probability, and conditional expectation, Bayes theorem, independence, computing expectation by conditioning.

Bivariate random variables: Joint distribution, Joint and Conditional distributions.

Functions of random variables: Sum of random variables, the law of large number and central limit theorem, approximation of distributions.

13. Mechanics and fluid dynamics: Generalised co-ordinates, holonomic and non- holonomic systems D'Alembert's principle and Langrage's equation, Hamiltonequations, moment of inertia, motion of rigid bodies in two dimensions.

Equation of continuity, Euler's equations of motion for inviscid flow, stream-lines, path of a particle, potential flow. Two dimensional and axisymytric motion, sources and sinks, votex motion, flow past a cylinder and a sphere, method of images, Navier- Stocke's equation, for a viscous filid.

14. Discrete Mathematics: Introduction to graph theory: graphs and degree sum theorem, connected graph, bi-partite graphs, trees, Eulerian and Hammiltonian graph, plane graph and Euler's theorem, planar graphs, 5-color theorem, marriage theorem.

15. Logic: Logical connectives negation, quantifiers, compound statement, Truth table, Tautologies, Boolean algebra- Lattices, geometrical lattices and algebraic structures, duality, distributive and complemented lattices, boolean lattices and boolean algebras, boolean functions and expressions, design and implementation of digital networks, switching circuits.

(D) संख्यिकी :-

i. Probability - Sample space and events, probability measures and probability space, Statistical independence, Random variable as a measurable function, Discrete and continuous random variables, Probability density and distribution functions, marginal and conditional distributions functions of random variables and their distributions, expectation and movements, conditional expectation, correlation co-efficient, convergence in probability in LP almost everywhere; Markov, Chebychev and Kalmogrov inequalities, BorelCantellilemma, Weak and strong law of large numbers probability generating and characteristic functions. Uniqueness and continuity theorems. Determination of distribution by moments Linderberg-Levy Central limit theorem. Standard discrete and continuous probability distributions, their interrelations including limiting cases.

ii. Statistical Inference- Properties of estimates, consistency, unbiasedness, efficiency, sufficiency and completeness Cromer-Rao bond, Minimum variance unbiased estimation, Rao Blockwell and Lehmann Sheffe's theorem methods of estimation by moments maximum likelihood, minimum Chi-square. Properties of maximum likelihood estimators confidence intervals for parameters of standardsdistributions.

Simple and composite hypotheses, statistical tests and critical region, two kinds c error, power function unbiased tests, most powerful and uniformly most powerfu tests Neyman person Lemma, Optimal tests for simple hypotheses concerning on parameter, monotone likelihood ratio property and its use in constructing UMP tes likelihood ratio criterion and its asymptotic distribution, Chi-square and Kolmogo tests for goodness of fit. Run test for randomness. Sign test for Location, Wilcoxo Mann-whitney test and Kologor-Simirnov test for the two sample Distribution-free confidence intervals for quantities and

confidence bands for distribution functions. Notions of a sequential test, Walds, SPRT, its CC and ASN function.

iii. linear Inference and Multivariate Analysis - Theory of least squares and Analysis of variance, GausseMarkoff theory, normal equations, least square estimates and their precision. Tests of significance and intervals estimates based on least square theory in one way, two way and three way classified data. Regression Analysis, linear regression, estimates and tests about correlation and regression coefficient curve linear regression and orthogonal polynomials, test for linearity of regression Multivariate normal distribution, multiple regression, multiple and partial correlation. Mahalanobis D2 and Hotelling T2-Statistics and their applications (derivations of distribution of D2 and T2 excluded) Fisher's discriminant analysis.

iv. Sampling Theory and Design of Experiments- Nature and scope of sampling, simple random sampling, sampling from finite populations with and without replacement, estimation of the standard errors sampling with equal probabilities and PPS sampling. Stratified random and systematic sampling, two stage and multi-stage sampling, multiphase and cluster sampling schemes.

Estimation of population total and mean, use of biased and unbiased estimates auxillary variables, double sampling standard errors of estimates cost and variance functions ratic and regression estimates and their relative efficiency. Planning and organization of sample surveys with special reference to recent large scale surveys conducted in India

Principles of experimental designs, CRD, RBD, LSD, missing plot technique factorial experiments 2nd and 3rd design general theory of total and partial confounding and fractional replication. Analysis of split plot, BIB and simple lattice designs.

v. Engineering Statistics- Concepts of quality and meaning of control, Different types of control charts like X-R Charts, P charts np charts and cumulative sum control charts.

Sampling inspection Vs 100 percent inspection. Single, double multiple and sequential sampling plans for attributes inspection, OC ASN and ATI curves. Concept of producer's risk and consumer's risk. AQI, AOQL, LTPD etc. Variable sampling plants.

Definition of Reliability, maintainability and availability Life distribution failure rate and bath-tub, failure curve exponential and Weibull models, Reliability of series and parallel systems and other simple configurations. Different types of redundancy like hot and cold and use of redundancy in reliability improvement problems in life testing, Censored and truncated experiments for exponential model.

vi. Operational Research- Scope and definition of Or different types of models, their construction and obtaining solution.

Homogenous discrete time Markov chains, transition probability matrix, classification of states and ergodic theorems. Homogenous continuous time Markov chains. Elements of queuing theory, M/M/1 and M/M/K queues, the problem of machine interference and GI/M/I and B/GI queues.

Concept of scientific inventory management and analytical structure of inventory problems simple models with deterministic and stochastic demand with and without lead time. Storage models with particular reference to dam type.

The Structure and formation of a linear programming problem. The simplex procedure two phase methods and charnes-M Method with artificial variables. The quality theory of linear programming and its economic interpretation. Sensitivity analysis.

vii. Transportation and Assignment Problems - Replacement of items that fail and those that deteriorate, group and individual replacement policies.

Introduction to computers and elements of Fortran IV Programming Formats for input and output statements, specification and logical statements and subroutines. Application to some simple statistical problems.

viii. Quantitative Economics- Concept of time-series, additive and multiplicative modols, resolution into four components, determination of trend by free-hand drawing. Moving averages and fitting of mathematical curves, seasonal indices and estimate of the variance of the random components.

Definition, construction, interpretation and limitation of index numbers, LespeyreparscheEcgewoth-marshall and Fisher index numbers their comparitions tests for index numbers and construction of cost of living index.

Theory and analysis of consumer demand - Specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Theory of production, supply functions and elasticities, input demand functions. Estimation of parameters in single equation.

model-classical least square generalized least squares beteroscedasticity, serial correlation multicollinearity, errors in variables model, simultaneous equation models-Identification. Rank and order conditions. Indirect least squares and two stage least squares, short-term economic forecasting.

ix. Demography and psychometry Sources of demographic data: Censusregistration: NSS and other demographic surveys. Limitation and uses of demographic data.

Vital rates and rations: Definition construction and uses.

Life tables - complete and absidged construction of life tables from vital statistics and census returns uses of life tables.

Logistic and other population growth curves.

Measure of fertility. Gross and net reproduction rates.

Stable population theory. Uses of stable and quasi-stable population techniques in estimation of demographic parameters.

Morbidity and its measurement Standard Classification by cause of death. Health surveys and use of hospital statistics.

Educational and psychological statistics methods of Standardization of scales and tests. IQ tests. reliability of tests and T and Z scores.

(II) **सामान्य अध्ययन (20 प्रश्न)**

इसमें प्रश्नों का उद्देश्य अभ्यर्थी की सामान्य जानकारी तथा समाज में उनके अनुप्रयोग के संबंध में उसकी योग्यता की जाँच करना होगा। वर्त्तमान घटनाओं और दिन - प्रतिदिन की घटनाओं के सूक्ष्म अवलोकन तथा उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसे मामलों की जानकारी जैसा कि किसी भी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है। इसमें झारखण्ड भारत और पड़ोसी देशों के संबंध में विशेष रूप से यथा संभव प्रश्न पूछे जा सकते हैं। इस घटक में निम्न से संबंधित प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं- सम-सामयिक विषय- वैज्ञानिक प्रगति राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार भारतीय भाषाएँ पुस्तक लिपि राजधानी मुद्राखेल-खिलाड़ी महत्वपूर्ण घटनाएँ। भारत का इतिहास संस्कृति भूगोल पर्यावरण आर्थिक परिदृश्य स्वतंत्रता आंदोलन भारतीय कृषि तथा प्राकृतिक संसाधनों की प्रमुख विशेषताएँ भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था देश की राजनीतिक प्रणाली पंचायती राज सामुदायिक विकास पंचवर्षीय योजना । झारखण्ड राज्य के भूगोल इतिहास सभ्यता संस्कृति भाषा साहित्य स्थान खान खनिज उद्योग राष्ट्रीय आंदोलन में झारखण्ड का योगदान विकास योजनाएँ खेल-खिलाड़ी व्यक्तित्व नागरिक उपलब्धियाँ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व के विषय इत्यादि ।

कम्प्यूटर के विभिन्न उपकरणों एम०एस०विन्डो ऑपरेटिंग सिस्टम एम०एस०ऑफिस एवं इंटरनेट संचालन की विधि की जानकारी से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं ।

(III) **सामान्य गणित (20 प्रश्न)**

इस विषय में सामान्यतः अंक गणित प्राथमिक बीज गणित ज्यामिति सामान्य त्रिकोणमिति क्षेत्रमिति से संबंधित प्रश्न रहेंगे। सामान्यतः इसमें मैट्रिक/10वी कक्षा स्तर के प्रश्न रहेंगे ।

(IV) **सामान्य विज्ञान (10 प्रश्न)**

सामान्य विज्ञान के प्रश्न में दिन-प्रतिदिन के अवलोकन एवं अनुभव पर आधारित विज्ञान की सामान्य समझ एवं परिबोध से संबंधित विषय रहेंगे जैसा कि एक सुशिक्षित व्यक्ति से जिसने किसी विज्ञान विषय का विशेष अध्ययन नहीं किया हो अपेक्षित है ।

अनुसूची-II

(नियम 14 देखें)

झारखण्ड वित्त अवर अंकेक्षण सेवा के कर्मियों को निम्नलिखित विषयों में परीक्षा पास करना अनिवार्य होगा:-

1- हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूपण परीक्षा - इस परीक्षा का आयोजन कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा किया जायेगा। परीक्षा का पाठयक्रम प्रश्नपत्र का स्वरूप परीक्षा की अवधि पूर्णांक एवं उत्तीर्णांक (कोटिवार) वही होगा जो कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा अराजपत्रित श्रेणी के लिए निर्धारित है अथवा समय समय पर निर्धारित किया जायेगा।

2- कम्प्यूटर साक्षरता परीक्षा-एम० एस० ऑफिस (एम० एस० वर्ड एक्सेलपावर प्वायंट प्रेजेन्टेशन इंटरनेट) वित्त विभाग द्वारा संचालित सभी साफ्टवेयर के आपरेशन की जानकारी की सैद्धांतिक

एवं व्यावहारिक परीक्षा होगी। सैद्धांतिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकृति की होगी। सैद्धांतिक परीक्षा एवं व्यावहारिक परीक्षा राजस्व पर्षद, झारखण्ड सरकार द्वारा आयोजित की जायेगी। कम्प्यूटर साक्षरता परीक्षा का पाठयक्रम पूर्णांक एवं उत्तीर्णांक (कोटिवार) वही होगाजो कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा झारखण्ड सचिवालय सेवा के लिए निर्धारित है अथवा समय समय पर निर्धारित किया जायेगा ।

विभागीय परीक्षा राजस्व पर्षद झारखण्ड सरकार द्वारा आयोजित की जायेगी। विभागीय परीक्षा निम्न तीन विषयों की होगी। प्रत्येक विषय 160 अंक का होगा। अनुसूचित जाति/जनजाति के लिये उत्तीर्णांक 90 अंको का होगा तथा अन्य के लिये उत्तीर्णांक 100 अंको का होगा ।

3-सेवा शर्त्त तथा सम्बद्ध नियमावली:-

(क) झारखण्ड सेवा संहिता,
(ख) झारखण्ड पेंशन नियमावली,
(ग) झारखण्ड सामान्य भविष्य निधि नियमावली,
(घ) झारखण्ड यात्रा भत्ता नियमावली,
(ड़) बोर्ड मिशलेनियस रूल्स,

4- लेखा -

(क) झारखण्ड वित्त नियमावली भाग-1 एवं 2,
(ख) झारखण्ड कोषागार संहिता, 2016,
(ग) झारखण्ड लोक निर्माण विभाग संहिता,
(घ) झारखण्ड लोक निर्माण लेखा संहिता,
(ड़) झारखण्ड बजट हस्तक,
(च) लेखा संहिता,
(छ) सामान्य वित्तीय नियमावली,भारत सरकार
(ज) वित्तीय प्रत्यायोजन चयनिका ¼Compendium of Financial Delegation½,
(झ) GST,
(ञ) भारत के संविधान ।

5. अंकेक्षण -

(क) भारत सरकार लेखा तथा अंकेक्षण परिचय ¼An Introduction to Indian Government Accounts & Audit½,
(ख) General Principle and Rules of Audit,
(ग) Public work's Audit,
(घ) Inspections and Local Audit,
(ड़) Results of Audit.

अधीक्षक, झारखण्ड राजकीय मुद्रणालय, राँची द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,
झारखण्ड गजट (असाधारण) 738 - 50